



Report on community engagement experience with Akshaya Patra Foundation, Udaipur

Project undertaken under the SPSU's PRERNA

14-19 April 2025

Student Team:

Garima Rathore ,Neha Suwalka, Kanak Nagota, Prithvi Singh Sisodiya, Shrey Khandelwal ,Rishi Sanghvi,
Shivani Sharma & Shreya Gupta

Guided By–Dr. Sanjay Kumar Yadav & Prof (Dr.)Shweta Lalwani
Faculty of Management
Sir Padampat Singhania University Udaipur, Rajasthan



AKSHAYA PATRA

Unlimited food to support education



ANCHOR PATRON

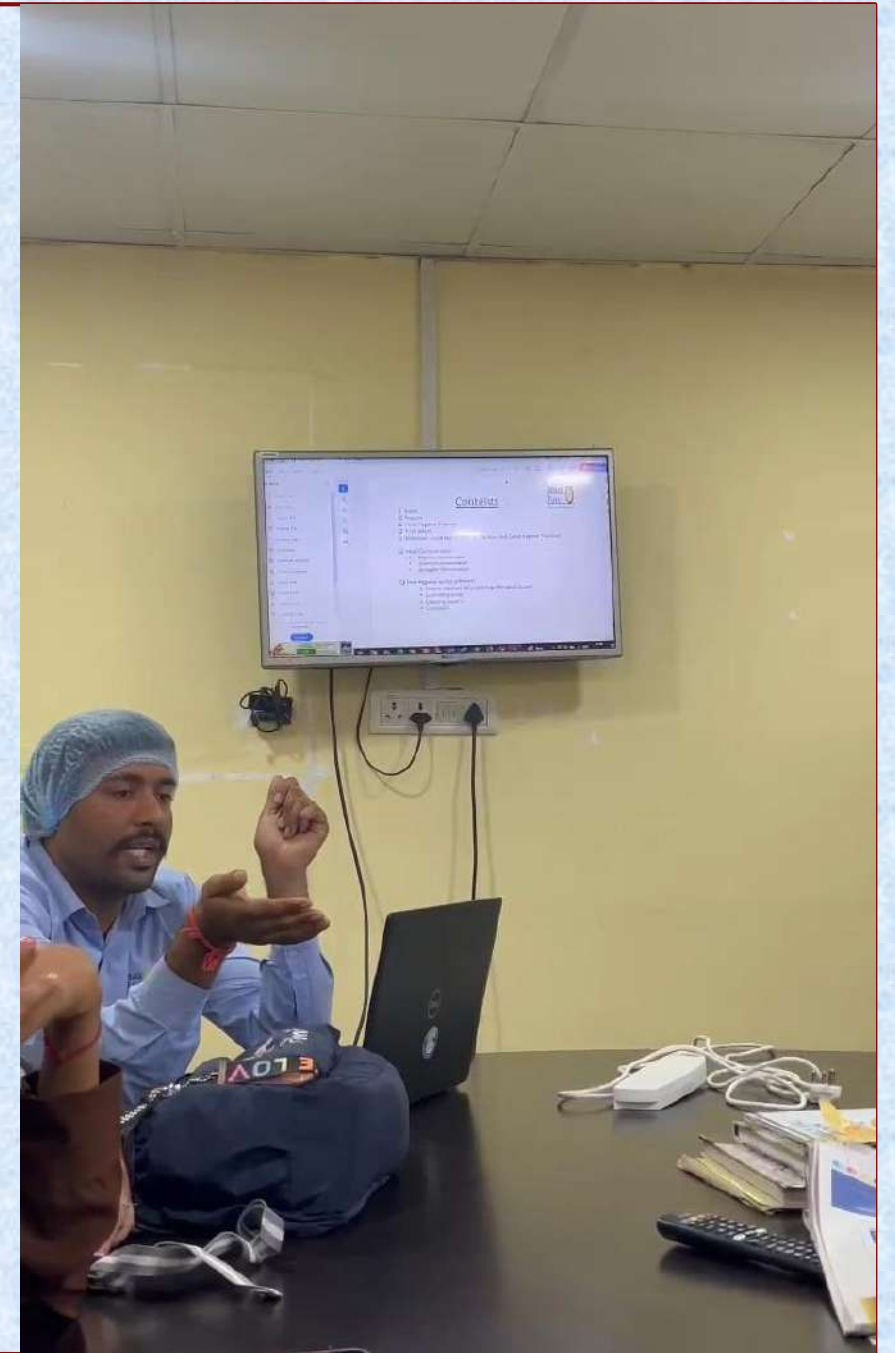


IN ASSOCIATION WITH



Day- 1 History of Akshaya Patra Foundation

The Akshaya Patra Foundation Is A Non-profit Organization Founded In The Year 2000 In Bangalore, Karnataka, With The Mission To Eliminate Classroom Hunger And Promote Education. Inspired By The Legendary Vessel From Hindu Mythology That Never Runs Out Of Food, Akshaya Patra Began By Serving Mid-day Meals To 1,500 Children In 5 Schools. Today, It Operates One Of The World's Largest School Lunch Programs, Reaching Over 2 Million Children Across 15+ Indian States. Partnering With The Government Of India, The Foundation Uses Advanced Kitchen Technology To Ensure Hygienic, Nutritious Meals That Have Significantly Improved School Attendance And Learning Outcomes.





day2 - Kitchen and school visit

Reporting Time: 6:19 AM

Quantity: Food prepared for 10,000 students

Distribution: Food to be sent to 285 schools

Packing: Food packed in large stainless steel containers
(as shown in the image)

Note: Hygiene maintained with gloves during packing

Hygiene Pamplates are sticking everywhere

AKSHAYA PATRA
Unlimited food to support education

THE AKSHAYA PATRA FOUNDATION
कांच, भंगुर प्लास्टिक, लकड़ी और धातु नीति

तैयार उत्पाद की पूर्ण तैयारी, प्रसंस्करण, पैकिंग और प्रेषण में संदूषण से बचने के लिए अक्षय पात्र फाउंडेशन के पास एक अच्छी तरह से परिभाषित ग्लास, लकड़ी और प्लास्टिक नीति है। निम्नलिखित को प्राप्त करने के लिए सभी संबंधित कर्मियों द्वारा अभ्यास किया जाएगा -

*** कांच नीति**

प्रसंस्करण और पैकिंग क्षेत्र में, सभी कांच के हिस्से, जो उपकरण या बुनियादी ढांचे जैसे दरवाजे, खिड़कियां का हिस्सा हैं, उपयुक्त रूप से संरक्षित हैं। किसी भी कांच की वस्तु को सीधे उत्पादन क्षेत्र में नहीं ले जाया जाता है। प्रसंस्करण और पैकिंग क्षेत्र में सभी कांच की खिड़कियां धूप नियंत्रण फिल्म से सुरक्षित हैं। लाइटिंग और फ्लोइकैचर सभी को सुरक्षात्मक आवरण के साथ लगाया गया है। प्रसंस्करण, पैकिंग और प्रेषण के दौरान कांच के टूटने की सूचना उत्पादन पर्यवेक्षक को दी जाती है और रखरखाव जिस्टर में उचित रूप से दर्ज की जाती है। सजावटी चश्मे वाली पोशाकों पर प्रतिबंध है और कर्मियों को एप्रन, मास्क, हेयर नेट प्रदान किए जाते हैं और जहां भी आवश्यकता हो, कैप का सख्ती से उपयोग किया जाता है। चुड़ी जैसे सभी कांच के आभूषण हटा दिए जाते हैं और रसोई में प्रवेश करने से पहले पर्यवेक्षकों की हिरासत में लाकर में अलग रख दिए जाते हैं।

*** भंगुर प्लास्टिक नीति**

सभी भंगुर प्लास्टिक सामग्री जैसे टोकरे, छंटाई के लिए उपयोग की जाने वाली प्लास्टिक ट्रे, डस्ट पैन को भंगुर प्लास्टिक नीति द्वारा नियंत्रित किया जाता है और छंटाई ट्रे या टोकरे के किसी भी टूटने या छिलने की सूचना उत्पादन पर्यवेक्षक को दी जाती है और प्रसंस्करण और भंडारण क्षेत्र में इसका उपयोग बंद कर दिया जाता है। सभी टूटे हुए टोकरे, ट्रे, डस्ट पैन तुरंत बदल दिए जाते हैं।

*** धातु नीति**

भंडारण, प्रसंस्करण और पैकिंग में धातु संदूषण से बचने के लिए किचन धातु नीति अपनाता है। उपयोग किए जाने वाले सभी उपकरण जैसे कटर, ट्रिमर, चाकू को टूल रजिस्टर के माध्यम से नियंत्रित और जारी किया जाता है। संयंत्र के अंदर किसी भी अनधिकृत धातु उपकरण की अनुमति नहीं है। उपकरण से धातु के टुकड़े निकलने से बचने के लिए उचित निवारक रखरखाव का पालन किया जा रहा है।

*** लकड़ी नीति**

किसी भी लकड़ी के सामान जैसे फूस, झाड़ू, लकड़ी के हैंडल वाले उपकरण, लकड़ी के भंडारण रैक की अनुमति नहीं है।

*** आभूषण नीति**

सादे शादी की अंगूठी को छोड़कर सभी गहने हटा दिए जाने चाहिए। मंगल सूत्र को सुरक्षात्मक कपड़ों से ढंकना चाहिए। गहने, झुमके और घड़ियाँ पहनकर रसोई के अंदर जाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

Copy rights ©The Akshaya Patra Foundation

आंगंतुक नीति

PATRA
Unlimited food to support education

सभी आंगंतुक जिन्हें उत्पादन क्षेत्र में प्रवेश करने के लिए अधिकृत किया गया है, उन्हें प्रवेश करने से पहले निम्नलिखित प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।

 <p>आंगंतुकों द्वारा पहनी जाने वाली टोपी। शादी और मुँह को ढकने के लिए बियर्ड मास्क भी पहनना चाहिए।</p>	 <p>एक सादे शादी की अंगूठी को छोड़कर सभी आभूषण हटा दिए जाने चाहिए। मंगलसूत्र को सुरक्षात्मक कपड़ों से ढंकना चाहिए।</p>	 <p>रसोई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले हाथ धोना चाहिए।</p>
 <p>कोई ऐंकेलिक नाखून या नेल पॉलिश नहीं लगानी है।</p>	 <p>उपकरण या उत्पाद को न छुएं</p>	 <p>उत्पाद का उपभोग रसोई क्षेत्र में नहीं किया जाना चाहिए।</p>
 <p>रसोई क्षेत्र (प्रशासनिक क्षेत्र को छोड़कर) में प्रवेश करने वाले आंगंतुकों को आंगंतुक प्रश्नावली प्रस्तुत करनी चाहिए</p>	 <p>कैमरा और वीडियो रिकॉर्ड की अनुमति नहीं है, जब तक कि प्रबंधन द्वारा अधिकृत न किया गया हो।</p>	 <p>प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश न करें, गाइड के निर्देशों का पालन करें।</p>
 <p>नाक और मुँह को मास्क से ठीक से ढंकना चाहिए</p>	 <p>खुले घाव, कट, घाव वाले आंगंतुकों को प्रक्रिया हॉल के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।</p>	 <p>आपातकालीन स्थिति में आंगंतुकों को साइट आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल का पालन करना चाहिए</p>

* 6 वर्ष से कम उम्र के किसी भी बच्चे को मंजिल के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 * प्रक्रिया हॉल के अंदर एक समय में अधिकतम 20 आंगंतुकों के समूह को अनुमति दी जाएगी।

A "slip" that sticks to each tiffin to make work easy and manageable
Image: Shows multiple stacked metal tiffin containers with lids, each labeled with a number.



A temperature of 95° (possibly 95°F or 95°C, though context suggests °C for industrial cooking) could indicate a pasteurization or sterilization process, depending on the food type.



Food Testing at Akshaya Patra Foundation. The foundation ensures food safety by testing raw materials, cooking processes, and final meals. Hygiene is strictly maintained during packing and dispatch to schools. Regular quality checks guarantee safe and nutritious food for students.



-batch coding



GPS Palkanda School

Total- 31 students



The students are eating their lunch which was sent by TAPF and they are very enjoying their lunch.





Badanga, Rajasthan, India
 Jh8h+3x Sagar Farms, Badanga, Rajasthan 313702, India
 Lat 24.614386° Long 73.579428°
 12/04/2025 11:29 AM GMT +05:30



Day 3, 4 & 5



Food Survey

School survey for food provided by TAPF How much students are taking and how much they consume, etc.

Like this we are taking survey from students

The Akshaya Patra Foundation Udaipur
School Meals Serving Size Analysis

School Name :- G.P.S. Adiwai Basti Sukher Udaipur (Regl.)
Surveyer Name :- Shrey Khandelwal Date:- 15/04/2025

Sr. No.	Rice Item Qty		Roti Qty		Sabji Item Qty	
	Students 1-5	Students 6-8	Roti Count 1-5	Roti Count 6-8	Roti Count 1-5	Roti Count 6-8
1.	150 x 2 = 300				150 x 2 = 300	
2.	150 x 2 = 300				150 x 2 = 300	
3.	150 x 1 = 150				150 x 1 = 150	
4.	150 x 1 = 150				150 x 2 = 300	
5.	150 x 1 = 150				150 x 2 = 300	
6.	150 x 1 = 150				150 x 1 = 150	
7.	150 x 1 = 150				150 x 1 = 150	
8.	150 x 1 = 150				150 x 1 = 150	
9.	150 x 1 = 150				150 x 1 = 150	
10.	150 x 1 = 150				150 x 1 = 150	

The Akshaya Patra Foundation Udaipur

School Meals Sarving Size Analysis

School Name :- G.P.S. Adiwasi Basti Sukher Udaipur (Raj).

Surveyer Name :- Rishi Sanghvi, Shree Khandelwal Date:- 15/04/2025.

Sr. No.	Rice Item Qty		Roti Qty		Sabji Item Qty	
	Students 1-5	Students 6-8	Roti Count 1-5	Roti Count 6-8	Roti Count 1-5	Roti Count 6-8
1.	$150 \times 0.5 = 75$				$150 \times 0.9 = 135$	
2.	$150 \times 0.2 = 30$				$150 \times 0.5 = 75$	
3.	$150 \times 0.2 = 30$					
4.	$150 \times 0.5 = 75$					
5.	$150 \times 0.5 = 75$					
6.	$150 \times 0.7 = 105$					
7.	$150 \times 0.3 = 45$					

The Akshaya Patra Foundation Udaipur

School Meals Sarving Size Analysis

School Name :- G.P.S. Adiwasi Basti Sukher Udaipur (Raj).

Surveyer Name :- Rishi Sanghvi Date:- 15/4/2025

Sr. No.	Rice Item Qty		Roti Qty		Sabji Item Qty	
	Students 1-5	Students 6-8	Roti Count 1-5	Roti Count 6-8	Roti Count 1-5	Roti Count 6-8
1.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 1 = 150$	
2.	$150 \times 2 = 300$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 1 = 150$	
3.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 1 = 150$	
4.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 1 = 150$	
5.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 1 = 150$	
6.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 2 = 300$	
7.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 2 = 300$	
8.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 2 = 300$	
9.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 1 = 150$	
10.	$150 \times 1 = 150$		$40 \times 0 = 0$		$150 \times 2 = 300$	

Day- 6 School Visit & Discussion Session

- Food Menu
- Chapati
- Plain Dal
- Aloo Burji

Discussion Session With Shree Ameyatma Krishna Das Ji.

We Had A Very Interactive Session With Shree Ameyatma Krishna Das Ji. They Told A Story About A Baby Lion Who Got Lost And Joined A Group Of Sheep Living With Them, The Baby Lion Started Behaving Like Them. The Story Taught Us The Lesson That The Group Behaviour Influences Everyone And He Taught Us How To Use Rosary Garland And Teach Us The Mantra.

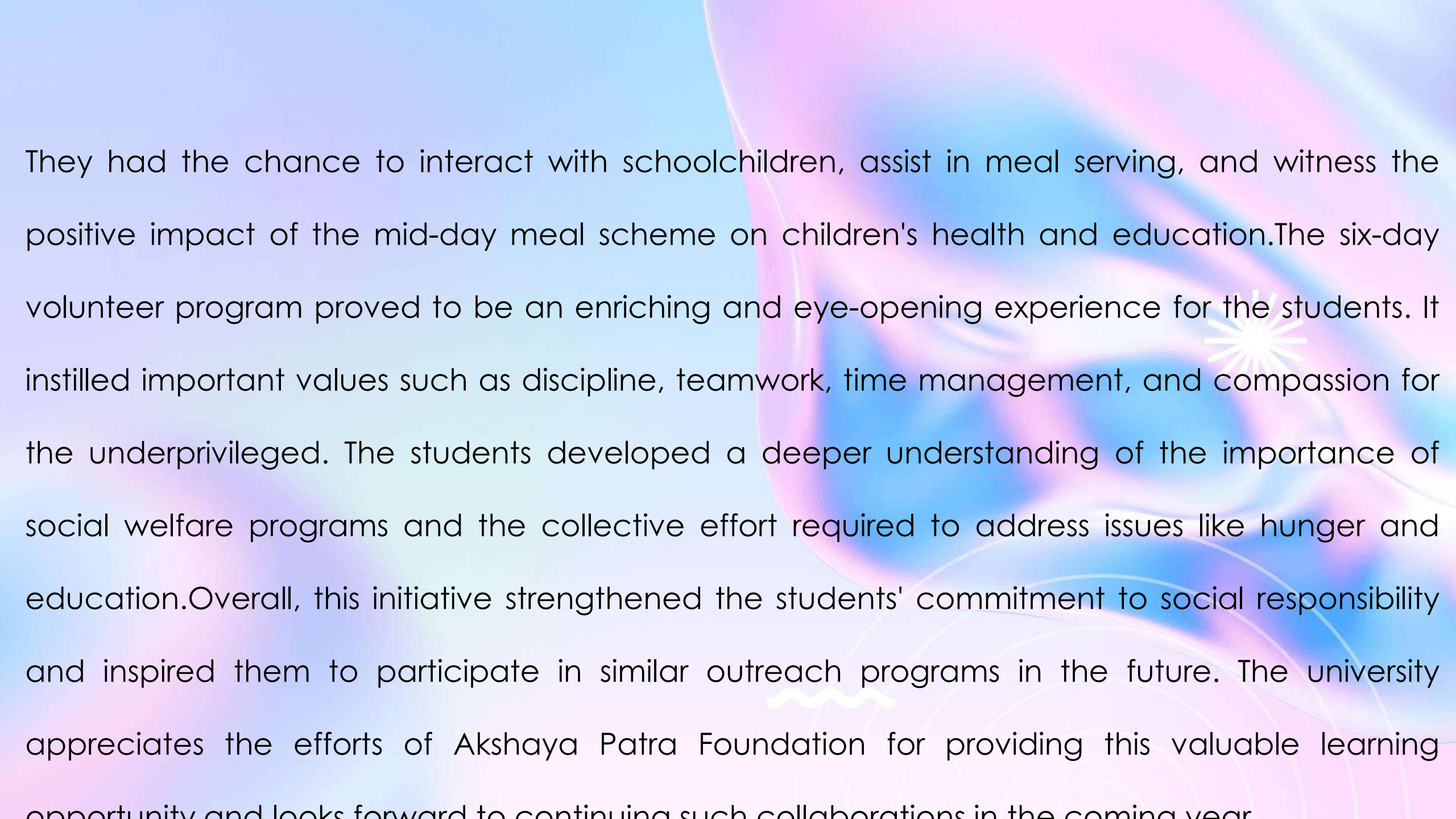
DADAY6- SCHOOL VISIT & DISCUSSION SESSION



CONCLUSION

As part of the university's commitment to promoting social responsibility and community engagement among students, a group of students from Sir Padampat Singhanian University, Udaipur, had the opportunity to volunteer with The Akshaya Patra Foundation for a period of six days.

This initiative was aimed at providing students with hands-on experience in large-scale social service operations and helping them develop a sense of empathy and civic responsibility. During this volunteer engagement, the students actively participated in various stages of the mid-day meal program conducted by Akshaya Patra. They observed the systematic and efficient meal preparation processes in the organization's central kitchen, gaining first-hand knowledge of food safety protocols, hygiene standards, and logistics management involved in serving thousands of schoolchildren daily. In addition to observing the kitchen operations, the students were also directly involved in the distribution of nutritious meals across different government schools in and around the Udaipur region.



They had the chance to interact with schoolchildren, assist in meal serving, and witness the positive impact of the mid-day meal scheme on children's health and education. The six-day volunteer program proved to be an enriching and eye-opening experience for the students. It instilled important values such as discipline, teamwork, time management, and compassion for the underprivileged. The students developed a deeper understanding of the importance of social welfare programs and the collective effort required to address issues like hunger and education. Overall, this initiative strengthened the students' commitment to social responsibility and inspired them to participate in similar outreach programs in the future. The university appreciates the efforts of Akshaya Patra Foundation for providing this valuable learning opportunity and looks forward to continuing such collaborations in the coming year.